an>

Title: h Need to deepen Kothai Ghat at international border of India and Nepal.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : महोदया, अपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मैं आपका ध्यान नेपाल की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित कोठिया घाट की तरफ आकर्षित कराना चाहता हूँ। उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जनपद लखीमपुर और बहराइच में नेपाल से आने वाली गेरूहा नदी में मिलकर कोठियाघाट, जो कर्तिनियां घाट के पास है, वहाँ पर बहराइच में घाघरा नदी आगे परिवर्तित होकर एक विशाल नदी में बदलती थी। पूर्व में उक्त कोठिया घाट में जहाँ पर यह नदी विशाल रूप लेती है, नेपाल के पर्वतों से बहकर आये पत्थरों को यहाँ निकाला जाता था। इससे नदी की गहराई भी बनी रहती थी तथा जल बहाव बना रहने के कारण उक्त सीमावर्ती क्षेत्र बाढ़ से मुक्त रहते थे। क्षेत्रीय लोगों के पत्थर निकालने के कारण वहाँ पर रोजगार का अवसर भी उपलब्ध रहता था। लोगों की फसल और मकान बाढ़ न आने के कारण बचे रहते थे। पूर्ववर्ती केन्द्रीय सरकार के द्वारा उक्त कोठिया घाट से पत्थरों को निकालने का काम बन्द कर दिया गया, जिसके कारण वहाँ पर नदी की सतह ऊँची हो गई है। इस कारण अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित उन गावों में बाढ़ आने लगी है। वहाँ के लोगों का रोजगार भी बन्द हो गया है, जिससे उनकी आमदनी पर भी असर पड़ा है।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से यह अनुरोध करता हूँ कि उक्त कोठिया घाट में पुनः पत्थर निकालने का काम प्रारम्भ कराया जाए, जिससे नदियों की गहराई भी बनी रहेगी, उक्त क्षेत्र बाढ़ से मुक्त होगा और लोगों को रोजगार भी प्राप्त हो सकेगा। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री दहन मिश्रा को श्री अजय मिश्रा टेनी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।